Vagisha International Multidisciplinary Research Journal
(International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal)
Volume-01, Issue-03, June-2026| ISSN: 3139-2776 (online)
Available online at:https://vimrj.com/
DOI: https://doi.org/10.67185/vimrj.v1i3.22

बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

सत्यम सुंदरम मौर्य[1], प्रो0 (डॉ0) मयानंद उपाध्याय[2]

[1]**शोध छात्र,** शिक्षाशास्त्र विभाग, राजा श्री कृष्ण दत्त पी०जी० कालेज जौनपुर
[2]**शोध निर्देशक,** पूर्व विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, राजा श्री कृष्ण दत्त पी०जी० कालेज जौनपुर
e-mail- mauryajnp1609@gmail.com

Received: 03 May 2026 | **Accepted:** 11 May 2026 | **Published:** 25 June 2026

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य बी.एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना है। शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य ऐसे कुशल एवं सकारात्मक दृष्टिकोण वाले शिक्षकों का निर्माण करना है जो शिक्षण व्यवसाय को सेवा, उत्तरदायित्व तथा सामाजिक परिवर्तन के माध्यम के रूप में स्वीकार करें। शिक्षण के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति प्रभावी अध्यापन, विद्यार्थियों की उपलब्धि तथा विद्यालयी वातावरण को प्रभावित करती है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। प्रतिदर्श के रूप में 400 बी.एड. विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना विधि द्वारा किया गया। आँकड़ों के संकलन हेतु एस.पी. आहलूवालिया द्वारा विकसित Teacher Attitude Inventory (TAI) का उपयोग किया गया। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण माध्य, मानक विचलन तथा 't' परीक्षण द्वारा किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि छात्र एवं छात्राओं की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया तथा छात्राओं की अभिवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक सकारात्मक थी। अध्ययन शिक्षक–शिक्षा संस्थानों में सकारात्मक व्यावसायिक दृष्टिकोण विकसित करने हेतु उपयोगी सिद्ध होगा। शिक्षक–अभिवृत्ति के अध्ययन हेतु TAI का प्रयोग अनेक तुलनात्मक अध्ययनों में किया गया है।

मुख्य शब्द : बी.एड., शिक्षण, अभिवृत्ति, शिक्षक शिक्षा, तुलनात्मक अध्ययन

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का मूल आधार है तथा शिक्षक शिक्षा प्रणाली उसकी गुणवत्ता का प्रमुख निर्धारक है। एक राष्ट्र की शैक्षिक व्यवस्था उतनी ही प्रभावशाली होती है जितने कुशल,

प्रशिक्षित एवं सकारात्मक दृष्टिकोण वाले उसके शिक्षक होते हैं। शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक चेतना का निर्माता भी होता है। इसलिए शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रमुख उद्देश्य ऐसे शिक्षकों का निर्माण करना है जो शिक्षण कार्य के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति, व्यावसायिक दक्षता तथा उत्तरदायित्व की भावना रखते हों। वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप तीव्र गति से परिवर्तित हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक विद्यार्थी–केंद्रित, कौशल–आधारित, समावेशी तथा अनुभवात्मक बनाया जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में केवल विषय–ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षक–प्रशिक्षुओं में शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति, शिक्षण कौशल, नवाचार, संवेदनशीलता एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता का विकास भी आवश्यक है।

शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति से अभिप्राय शिक्षक अथवा शिक्षक–प्रशिक्षु की शिक्षण व्यवसाय के प्रति मानसिक प्रवृत्ति, रुचि, विश्वास, मूल्य एवं भावनात्मक झुकाव से है। सकारात्मक अभिवृत्ति वाला शिक्षक शिक्षण कार्य को उत्साह, समर्पण, उत्तरदायित्व एवं रचनात्मकता के साथ संपन्न करता है, जबकि नकारात्मक अभिवृत्ति शिक्षण की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों को प्रभावित कर सकती है। बी.एड. कार्यक्रम का उद्देश्य भावी शिक्षकों में शिक्षण कौशल, कक्षा–प्रबंधन, मूल्यांकन क्षमता तथा व्यावसायिक दक्षता का विकास करना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति भविष्य में उनकी शिक्षण प्रभावशीलता, कार्य–संतुष्टि तथा व्यावसायिक सफलता को प्रभावित करती है। इस कारण शिक्षक–प्रशिक्षुओं की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

सिंह (2025) ने बी.एड. एवं बी.टी.सी. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक थी। जिन प्रशिक्षणार्थियों ने अधिक समय तक विद्यालयी शिक्षण–अभ्यास किया था, उनमें आत्मविश्वास, कक्षा–प्रबंधन क्षमता तथा व्यावसायिक प्रतिबद्धता का स्तर अधिक पाया गया। साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि शिक्षण–अभ्यास शिक्षक–प्रशिक्षुओं की व्यावसायिक दक्षता एवं शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

सिंह एवं भेंडे (2024) ने बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति एवं आत्मविश्वास का अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य यह ज्ञात करना था कि सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति शिक्षक–प्रशिक्षुओं के आत्मविश्वास को किस प्रकार प्रभावित करती है। अध्ययन में पाया गया कि जिन

प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति अधिक सकारात्मक एवं सृजनात्मक थी, उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संप्रेषण कौशल तथा कक्षा में प्रभावी शिक्षण व्यवहार का स्तर भी अधिक था। ऐसे प्रशिक्षु नवीन शिक्षण विधियों, गतिविधि–आधारित शिक्षण तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रति अधिक उत्साही पाए गए। अध्ययन से निष्कर्ष निकाला गया कि शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सृजनात्मकता, नवाचार एवं आत्मविश्वास के विकास हेतु विशेष गतिविधियाँ सम्मिलित करनी चाहिए।

शर्मा (2022) ने बी.एड. एवं डी.एल.एड. शिक्षक–प्रशिक्षुओं की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति की तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि बी.एड. महिला एवं पुरुष विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक अंतर पाया गया, जबकि डी.एल.एड. विद्यार्थियों में ऐसा कोई सार्थक अंतर प्राप्त नहीं हुआ। दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकांश विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक थी।

रामनिवास एवं नौटियाल (2019) ने बी.एड. छात्राध्यापकों की शिक्षण सक्षमता एवं सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य यह ज्ञात करना था कि सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति शिक्षक–प्रशिक्षुओं की शिक्षण सक्षमता को किस सीमा तक प्रभावित करती है। आंकड़ों के विश्लेषण से दोनों चरों के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसंबंध प्राप्त हुआ। जिन प्रशिक्षुओं में सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति अधिक थी, वे शिक्षण योजना निर्माण, शिक्षण विधियों के चयन, कक्षा–प्रबंधन तथा विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने में अधिक सक्षम पाए गए।

भार्गव एवं पैथी (2018) ने छात्र–शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य शिक्षक–प्रशिक्षुओं की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मूल्यांकन करना तथा लिंग एवं विषय–वर्ग (विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान) के आधार पर उसमें विद्यमान अंतर का परीक्षण करना था। आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि अधिकांश शिक्षक–प्रशिक्षुओं की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक थी। साथ ही यह भी पाया गया कि विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति में कुछ अंतर विद्यमान था। लिंग के आधार पर भी महिला प्रशिक्षुओं की अभिवृत्ति पुरुष प्रशिक्षुओं की अपेक्षा अधिक सकारात्मक पाई गई।

मट्टू एवं बिचू (2018) ने ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि स्थानीय परिवेश शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति को किस प्रकार प्रभावित करता है। परिणामों से ज्ञात हुआ कि

ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक अंतर पाया गया। दोनों समूहों के शिक्षकों ने शिक्षण व्यवसाय को समाज सेवा एवं राष्ट्र–निर्माण का प्रभावी माध्यम माना, किन्तु शहरी शिक्षकों में नवीन शिक्षण तकनीकों के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया, जबकि ग्रामीण शिक्षक सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता को अधिक महत्व देते थे।

समस्या कथन

"बी. एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध में प्रयुक्त पदों की संक्रियात्मक परिभाषा

- **बी.एड. विद्यार्थी :**

  बी.एड. विद्यार्थी वे शिक्षक–प्रशिक्षु हैं जो मान्यता प्राप्त शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों में स्नातक स्तर के पश्चात् Bachelor of Education (B.Ed.) पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं तथा भावी शिक्षक बनने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल, अभिवृत्ति एवं व्यावसायिक दक्षताओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

- **शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति :**

  शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति से अभिप्राय शिक्षक अथवा शिक्षक–प्रशिक्षु की शिक्षण व्यवसाय के प्रति मानसिक प्रवृत्ति, विश्वास, रुचि, मूल्य, भावनाएँ तथा सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण से है, जो उसके शिक्षण व्यवहार एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता को प्रभावित करता है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. शहरी एवं ग्रामीण बी. एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में अंतर ज्ञात करना।
2. महिला एवं पुरुष बी. एड्. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में अंतर ज्ञात करना।
3. कला एवं विज्ञान वर्ग के बी. एड्. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में अंतर ज्ञात करना।

शून्य परिकल्पना

1. शहरी एवं ग्रामीण बी. एड्. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।
2. महिला एवं पुरुष बी. एड्. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।
3. कला एवं विज्ञान वर्ग के बी. एड्. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। यह विधि किसी समूह की वर्तमान स्थिति, अभिवृत्तियों एवं विशेषताओं का वस्तुनिष्ठ अध्ययन करने के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसके माध्यम से बी.एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया।

जनसंख्या

इस अध्ययन की जनसंख्या में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद के मान्यता प्राप्त शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत समस्त बी.एड. विद्यार्थी सम्मिलित हैं।

प्रतिदर्श

अध्ययन हेतु जौनपुर जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों से 200 बी.एड. विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

शोध उपकरण

अध्ययन में बी.एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का आकलन करने के लिए डॉ. (श्रीमती) उम्मे कुलसुम द्वारा विकसित शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति मापनी का उपयोग किया जाएगा। यह मापनी लिकर्ट की पंच–बिंदु मापनी पर आधारित है तथा इसमें 55 कथन सम्मिलित हैं, जो शिक्षण व्यवसाय से संबंधित विभिन्न आयामों का मूल्यांकन करते हैं। मापनी की परीक्षण–पुनर्परीक्षण विश्वसनीयता 0.812 प्राप्त हुई है, जो इसकी पर्याप्त विश्वसनीयता को दर्शाती है। इसकी विषय–वस्तु वैधता का निर्धारण विषय–विशेषज्ञों के परामर्श एवं परीक्षण द्वारा किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

H01. शहरी एवं ग्रामीण बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

तालिका संख्या 4.1

शहरी एवं ग्रामीण बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का माध्य, मानक विचलन एवं टी–मान

क्षेत्र	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मुक्तांश	टी–मान	टिप्पणी
शहरी	200	159.16	21.741	398	1.563	0.05 स्तर पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।
ग्रामीण	200	155.85	20.659			

तालिका के अनुसार शहरी क्षेत्र के 200 बी.एड. विद्यार्थियों का माध्य 159.16 तथा मानक विचलन 21.741 है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के 200 विद्यार्थियों का माध्य 155.85 एवं मानक विचलन 20. 659 है। दोनों समूहों के मध्य प्राप्त ज–मान 1.563 (df = 398) है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बी.एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

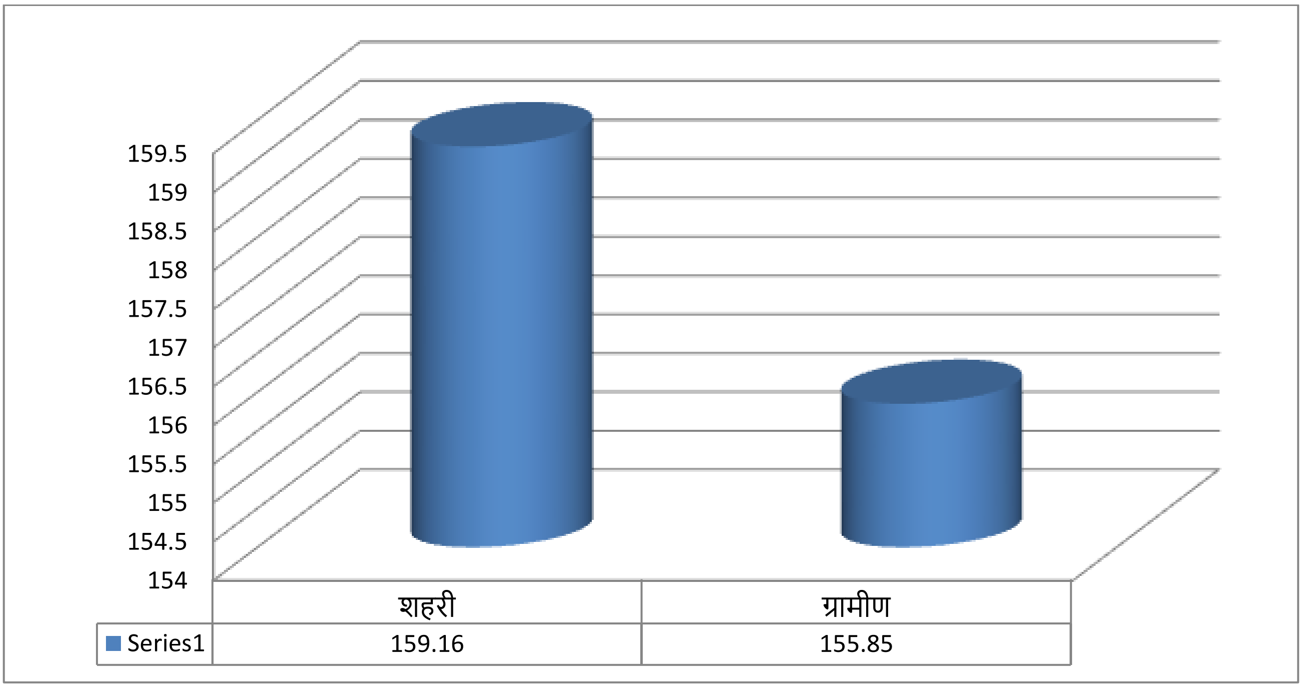

H_02. महिला एवं पुरुष बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

तालिका संख्या 2

महिला एवं पुरुष बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का माध्य, मानक विचलन एवं टी–मान

लिंग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मुक्तांश	टी–मान	टिप्पणी
महिला	200	155.75	20.771	398	2.123	0.05 स्तर पर सार्थक अंतर है।
पुरुष	200	160.26	21.734			

तालिका के अनुसार महिला बी.एड. विद्यार्थियों का माध्य 155.75 तथा मानक विचलन 20.771 है, जबकि पुरुष बी.एड. विद्यार्थियों का माध्य 160.26 एवं मानक विचलन 21.734 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य प्राप्त ज–मान 2.123 (df = 398) है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः महिला एवं पुरुष बी. एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर पाया गया। पुरुष विद्यार्थियों का माध्य अधिक होने के कारण उनकी शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति महिला विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक पाई गई। इसलिए इस परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है।

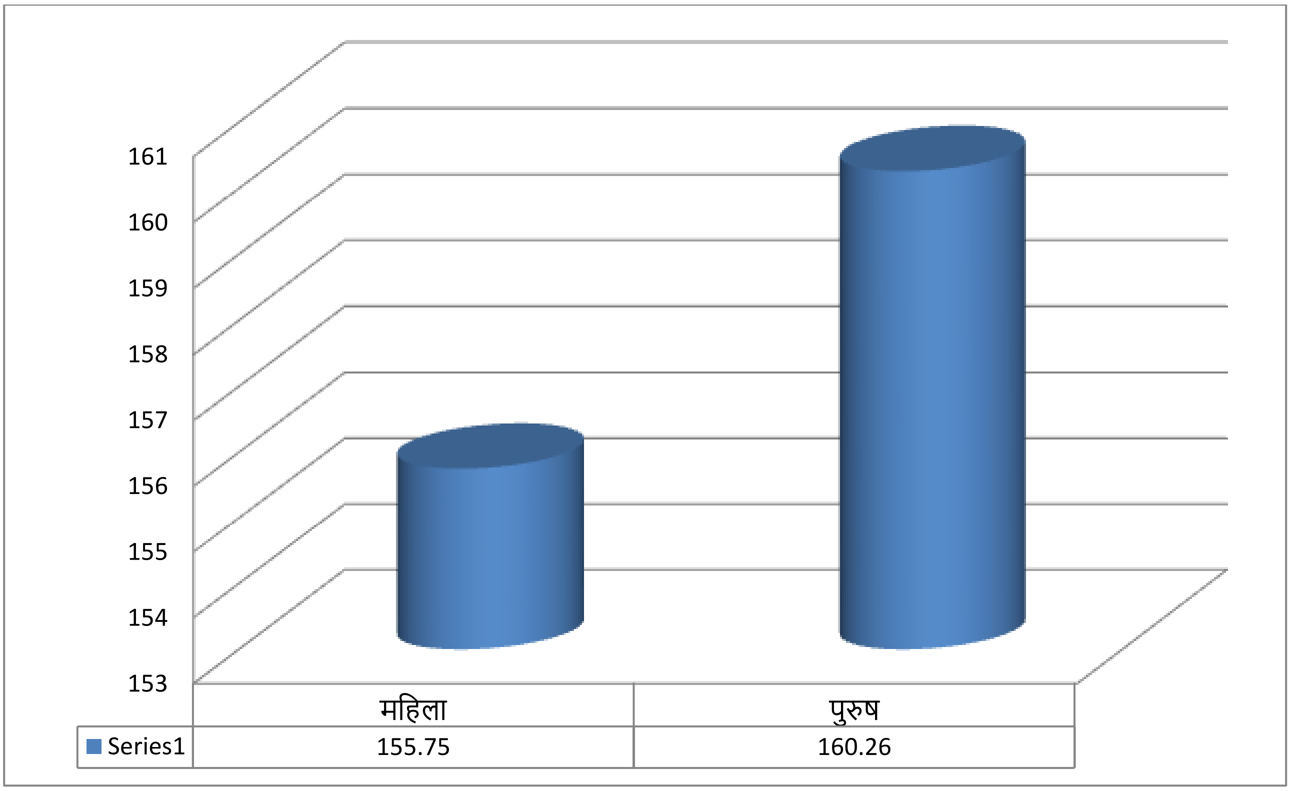

$H_0$3. कला एवं विज्ञान वर्ग के बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

तालिका संख्या– 3

कला एवं विज्ञान वर्ग के बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति का माध्य, मानक विचलन एवं टी–मान

वर्ग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मुक्तांश	टी–मान	टिप्पणी
कला	200	157.05	19.565	398	0.426	0.05 स्तर पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।
विज्ञान	200	157.96	22.841			

तालिका के अनुसार कला वर्ग के 200 बी.एड. विद्यार्थियों का माध्य 157.05 तथा मानक विचलन 19.565 है, जबकि विज्ञान वर्ग के 200 विद्यार्थियों का माध्य 157.96 एवं मानक विचलन 22.841 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य प्राप्त t–मान 0.426 (df = 398) है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः कला एवं विज्ञान वर्ग के बी.एड. विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में कोई सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

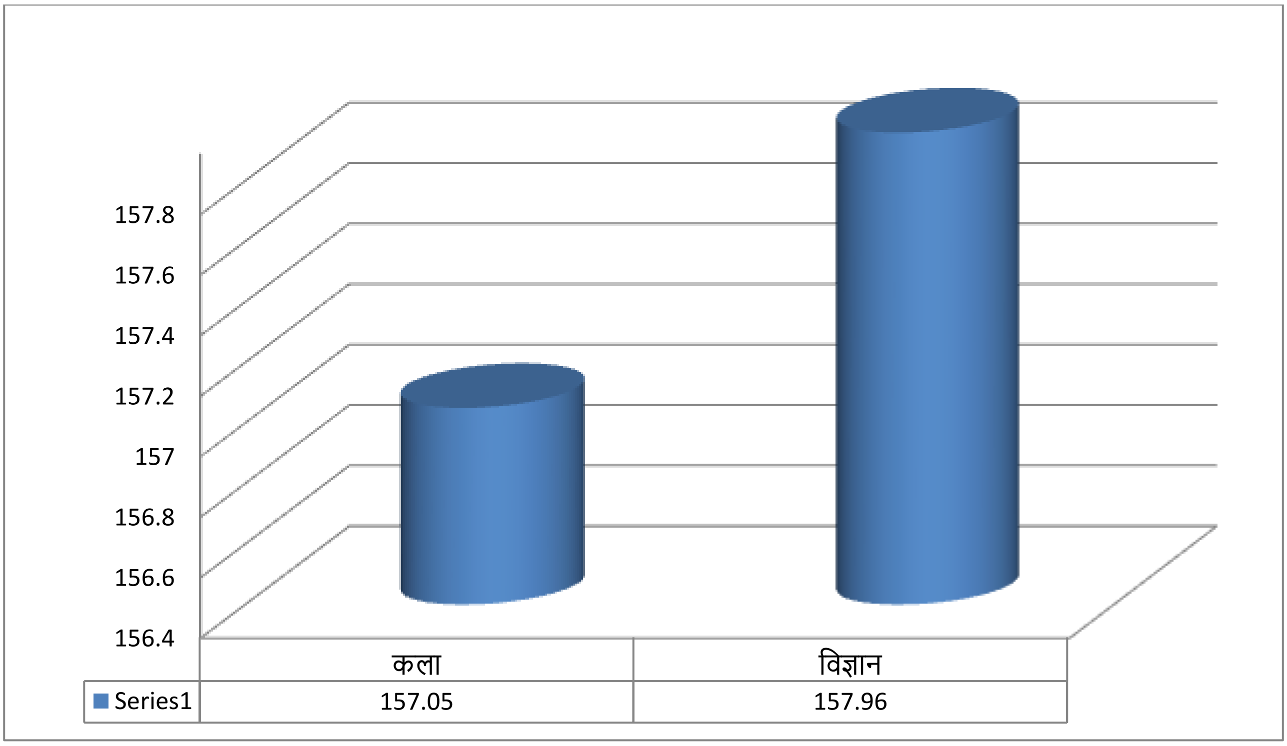

शोध निष्कर्ष

उद्देश्यों के सम्बन्ध में वर्तमान अध्ययन के निष्कर्ष नीचे प्रस्तुत किए गए है :

1. शहरी एवं ग्रामीण बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति एक सामान पायी गयी हैं।
2. पुरुष बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति महिला की तुलना में अधिक पायी गयी हैं।
3. कला एवं विज्ञान वर्ग के बी0 एड0 विद्यार्थियों की शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति एक सामान पायी गयी हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अग्रवाल, जे. सी. (2014). शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा. नई दिल्लीः विकास पब्लिशिंग हाउस।
2. कोठारी, सी. आर. (2019). अनुसंधान प्रविधिः विधियाँ एवं तकनीकें। नई दिल्लीः न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स।
3. कौल, लोकेश. (2009). शैक्षिक अनुसंधान की प्रविधि। नई दिल्लीः विकास पब्लिशिंग हाउस।
4. मंगल, एस. के. (2019). उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान। नई दिल्लीः पी.एच.आई. लर्निंग।
5. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई). (2014). बी.एड. कार्यक्रम के मानक एवं मानदण्ड। नई दिल्ली : एनसीटीई।
6. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी). (2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005। नई दिल्ली : एनसीईआरटी।
7. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी). (2009). राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या रूपरेखा। नई दिल्ली : एनसीईआरटी।
8. पाण्डेय, एस. के. (2014). बी.एड. विद्यार्थियों की शिक्षण–अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का मूल्यांकनात्मक अध्ययन। इण्डियन स्ट्रीम रिसर्च जर्नल.
9. शर्मा, आर. ए. (2018). शिक्षा अनुसंधान। मेरठ : आर. लाल बुक डिपो।
10. शर्मा, आर. एन., एवं शर्मा, आर. के. (2016). उन्नत शिक्षा मनोविज्ञान। नई दिल्ली : अटलांटिक पब्लिशर्स।
11. भार्गव, अनुपमा, एवं पैथी, एम. के. (2014). छात्र–शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन। टर्किश ऑनलाइन जर्नल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन, 15(3), 27–36।

12. भार्गव, अ., एवं पैथी, एम. के. (2018). छात्र–शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन. जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 10(2), 84–95.

13. मट्टू, एस., एवं बिचू, आर. (2018). ग्रामीण एवं शहरी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन. इंडियन जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन, 12(1), 56–67.

14. राम निवास, एवं नौटियाल, एस. (2019). बी.एड. छात्राध्यापकों की शिक्षण सक्षमता एवं सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन. जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एक्सटेंशन, 56(3), 32–41.

15. शर्मा, एम. (2022). बी.एड. एवं डी.एल.एड. शिक्षक–प्रशिक्षुओं की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन. अप्रकाशित शोध प्रबंध, शिक्षा संकाय।

16. सिंह, एन., एवं भेंडे, आर. (2024). बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति एवं आत्मविश्वास का अध्ययन. भारतीय शिक्षा अनुसंधान पत्रिका, 16(2), 73–85.

17. सिंह, आर. (2025). बी.एड. एवं बी.टी.सी. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभ्यास के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन. अप्रकाशित शोध प्रबंध, शिक्षा संकाय।